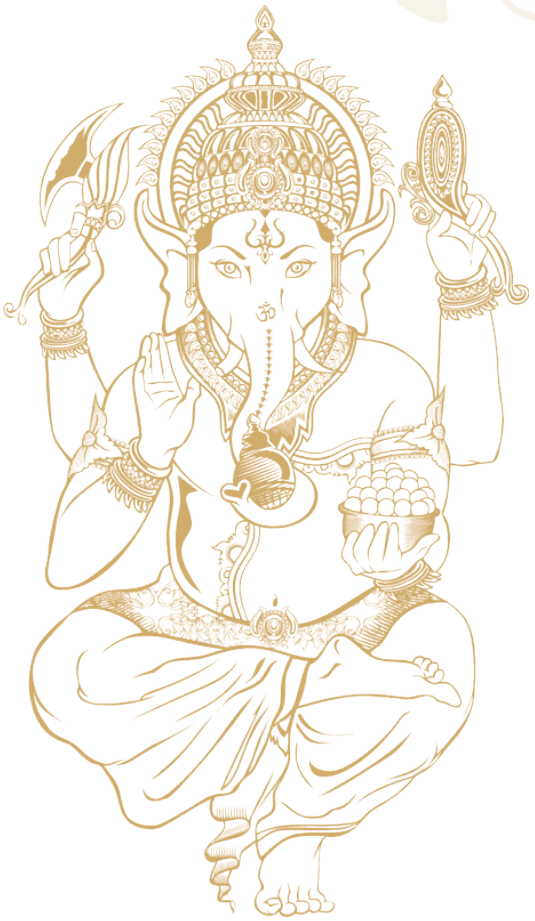

Akash
Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120207202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/01/1993	जन्म तिथि	15/08/1991
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:45:00	जन्म समय	23:52:00 घंटे
घटी 32:35:06	जन्म समय(घटी)	45:22:22 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Delhi
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:57	सूर्योदय	05:49:56
17:35:31	सूर्यास्त	19:00:58
23:45:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 4मा 15दि	18:53:04	कर्क	लग्न	वृष	06:23:32	राहु 10वर्ष 9मा 0दि
मंगल	19:27:56	धनु	सूर्य	कर्क	28:41:03	शनि
21/05/2023	17:04:58	मेष	चंद्र	तुला	12:02:08	17/05/2018
21/05/2030	25:38:09	मिथु व	मंगल	सिंह	25:43:33	16/05/2037
मंगल 17/10/2023	07:43:42	धनु	बुध व	सिंह	09:29:42	शनि 20/05/2021
राहु 04/11/2024	19:55:47	कन्या	गुरु	सिंह	00:17:38	बुध 28/01/2024
गुरु 11/10/2025	05:47:34	कुंभ	शुक्र व	सिंह	09:39:24	केतु 07/03/2025
शनि 20/11/2026	22:51:44	मक	शनि व	मक	08:20:29	शुक्र 07/05/2028
बुध 17/11/2027	27:35:39	वृश्चि	राहु व	धनु	24:40:50	सूर्य 19/04/2029
केतु 14/04/2028	27:35:39	वृष	केतु व	मिथु	24:40:50	चन्द्र 18/11/2030
शुक्र 14/06/2029	24:03:32	धनु	हर्ष व	धनु	16:34:10	मंगल 28/12/2031
सूर्य 20/10/2029	24:41:22	धनु	नेप व	धनु	20:40:56	राहु 03/11/2034
चन्द्र 21/05/2030	00:55:10	वृश्चि	प्लूटो	तुला	23:54:31	गुरु 16/05/2037

लग्न-चलित

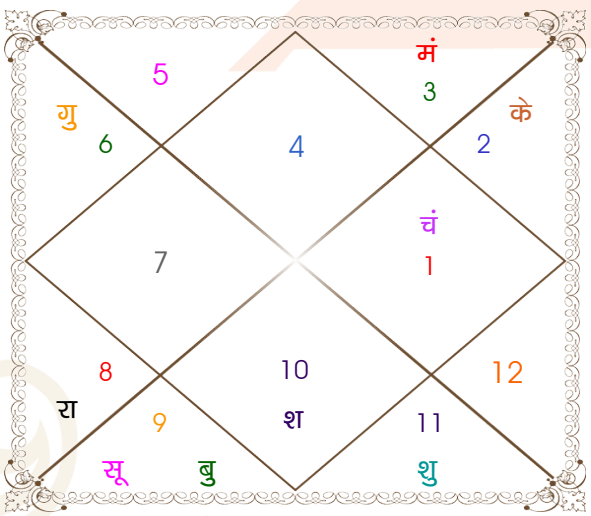

लग्न-चलित

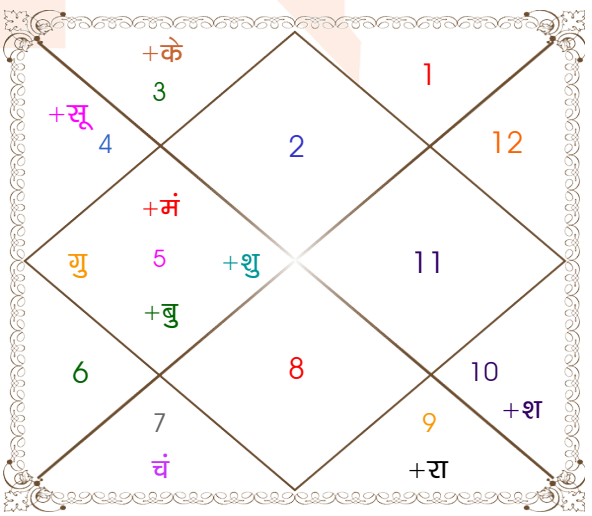

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member: All India federation of Astrologers Society
Professor colony Raipur
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Akash का वर्ग मृग है तथा Ritika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akash और Ritika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Akash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Akash कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ritika कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akash तथा Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।